

 *Mahendra's*

 **UP Police कांस्टेबल / UP लेखपाल** 

HINDI

संधि

भाग 3

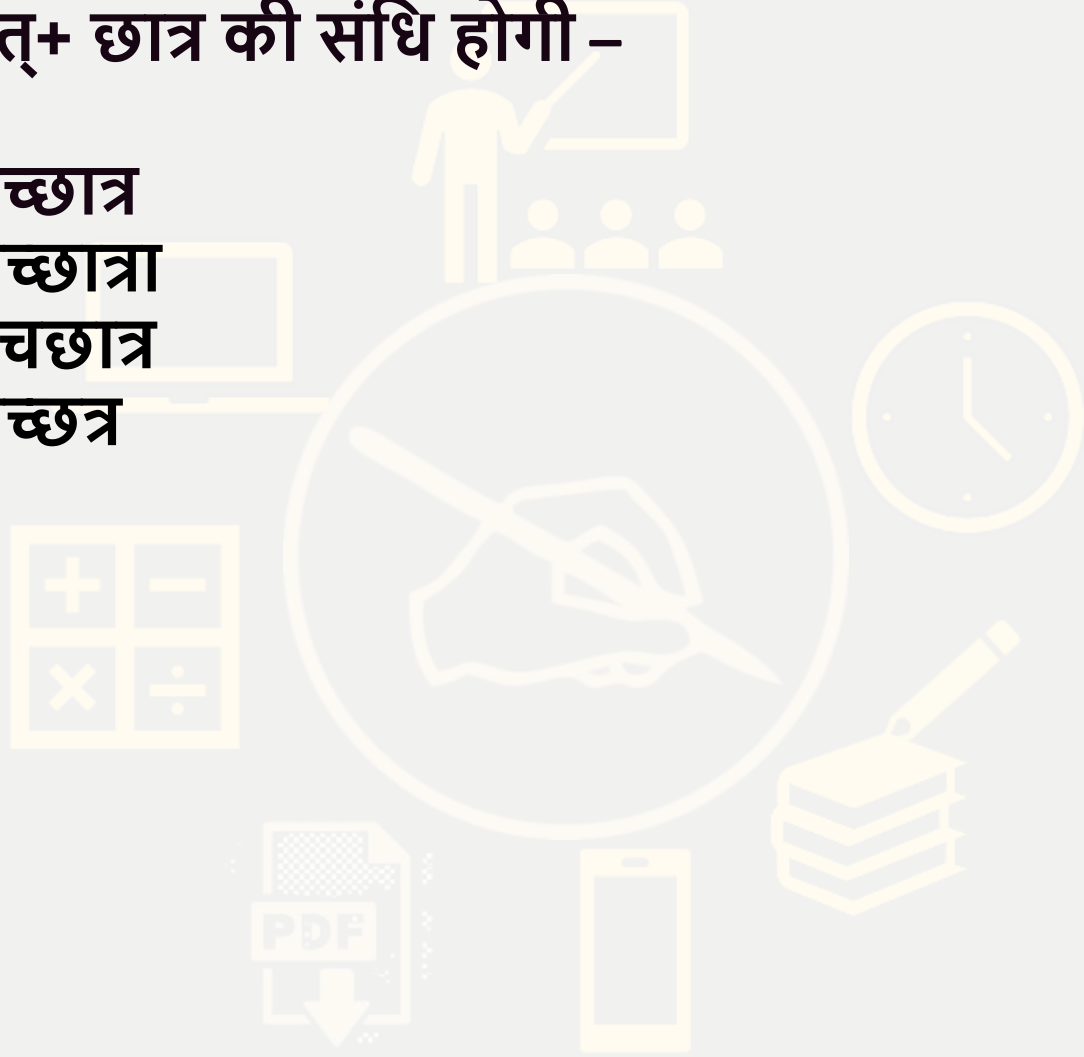
00 PM

LIVE ((📺))



1. सत्+ छात्र की संधि होगी -

- (a) सच्छात्र
- (b) सच्छात्रा
- (c) सचछात्र
- (d) सच्छत्र



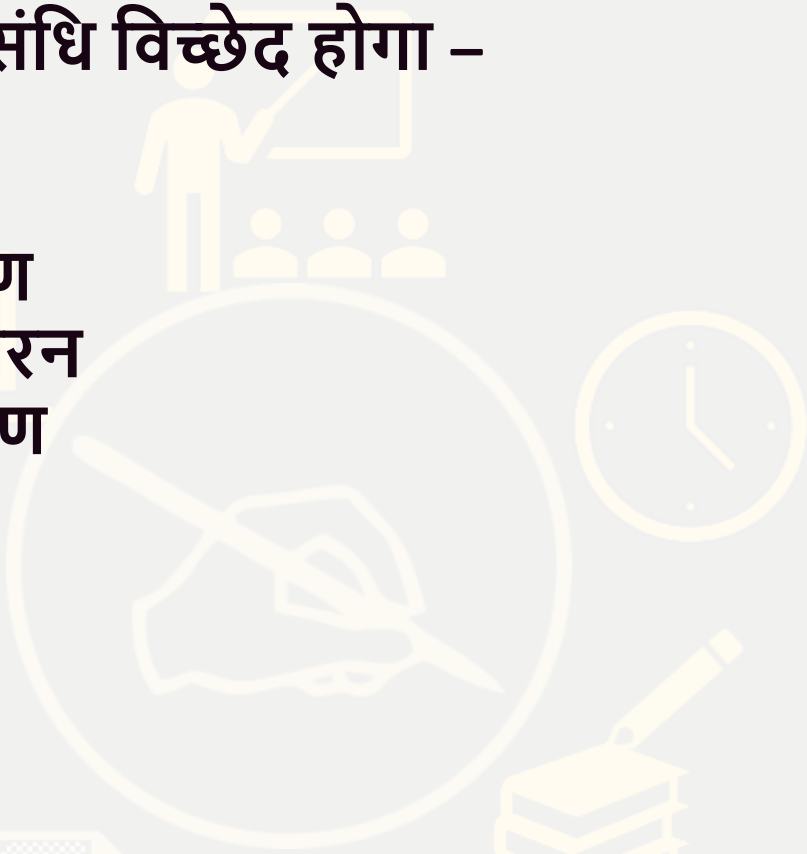
नियम - 2 त् के संबंध में विशेष नियम:

क. त् या द् + च या छ हो तो त् या द् → च् में बदलता है

1. सत् + छात्र = सच्छात्र
2. उत् + चारण = उच्चारण
3. जगत् + छाया = जगच्छाया
4. उत् + छिन्न + उच्छिन्न

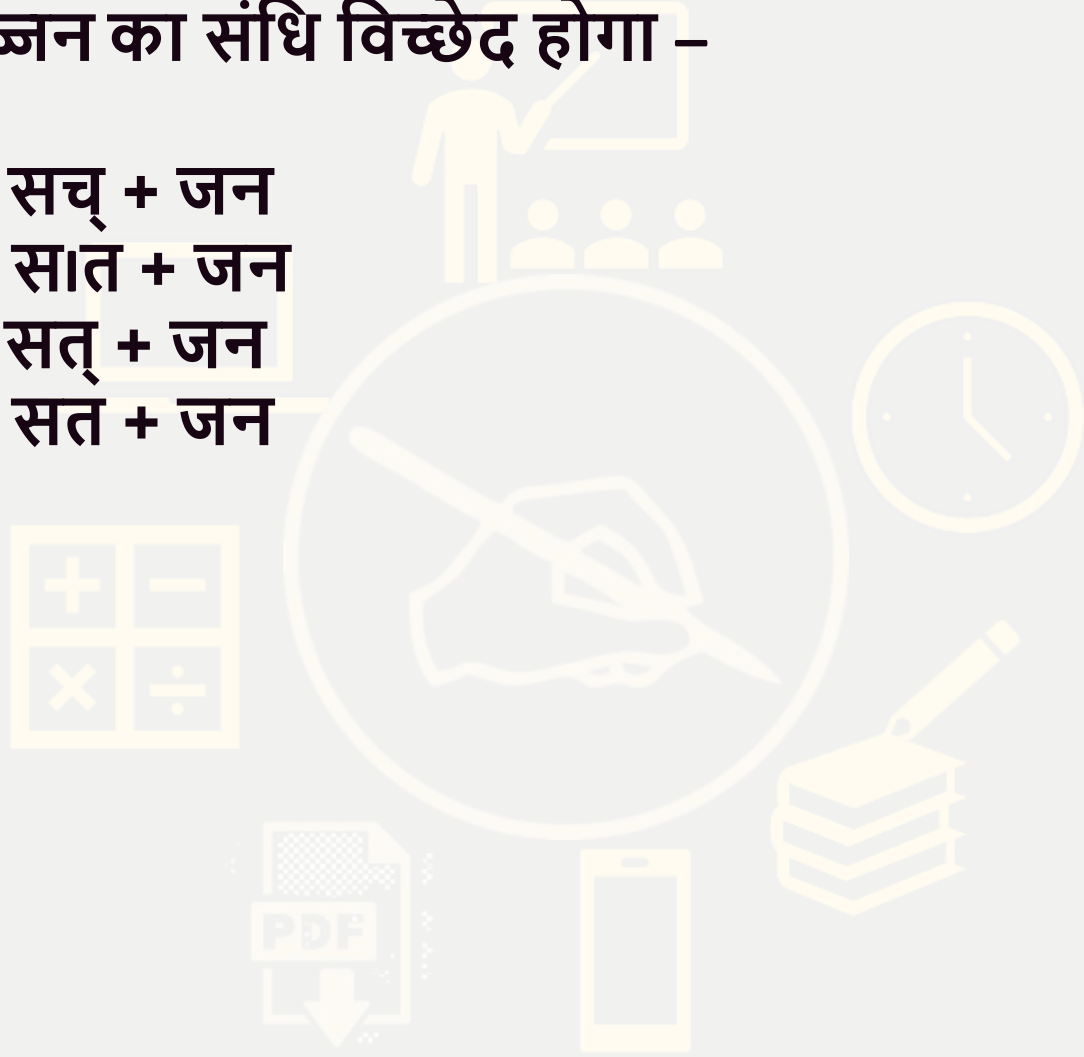
2. उच्चारण का संधि विच्छेद होगा –

- (a) सच्छात्र
- (b) उत् + चारण
- (c) उच्च + आरन
- (d) उत + चारण



3. सज्जन का संधि विच्छेद होगा –

- (a) सच् + जन
- (b) सात + जन
- (c) सत् + जन
- (d) सत + जन



ख. त् या द् + ज या झ हो तो त् या द् → ज् में बदलता है -

सत् + जन = सज्जन

जगत् + जननी = जगज्जननी

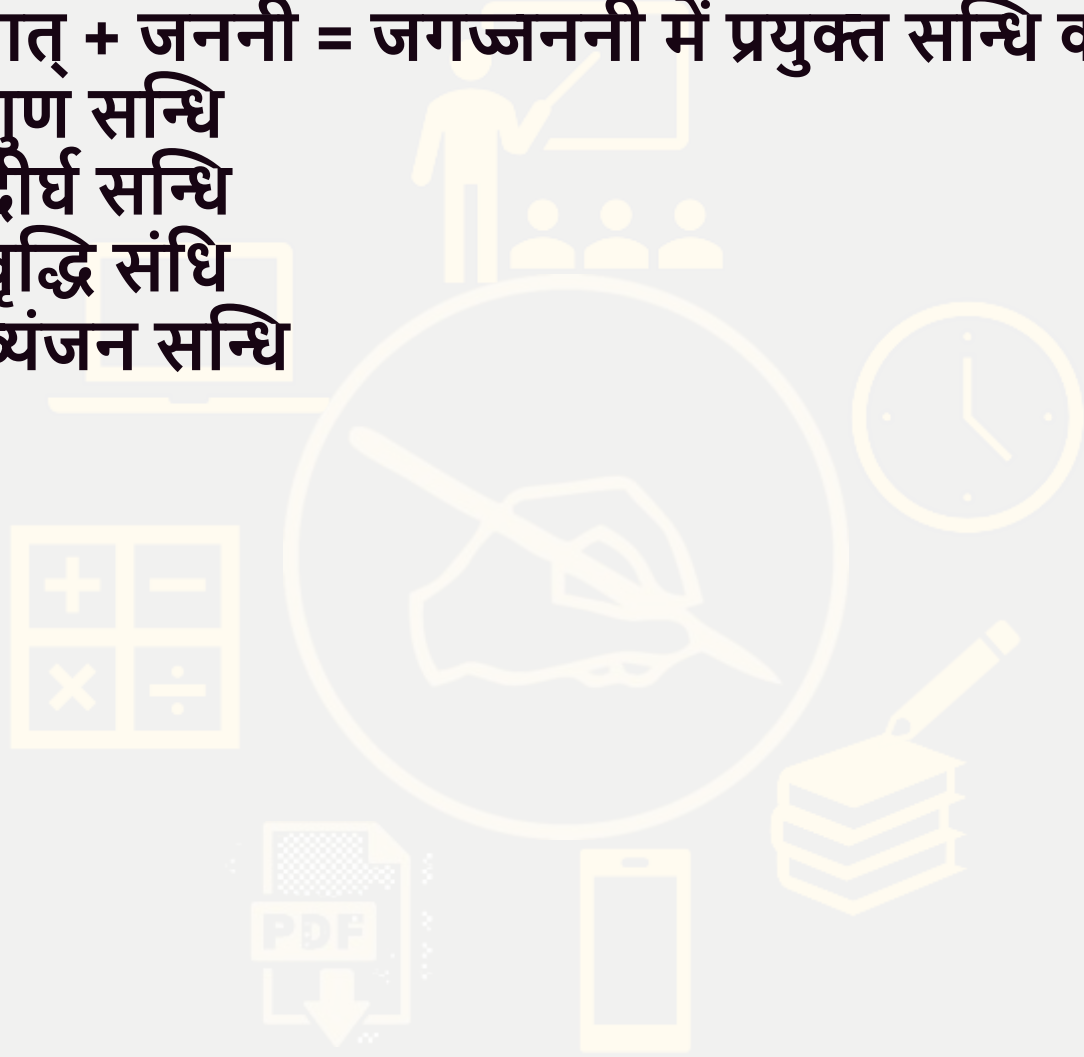
विपत् + जाल = विपज्जाल

उत् + ज्वल = उज्ज्वल



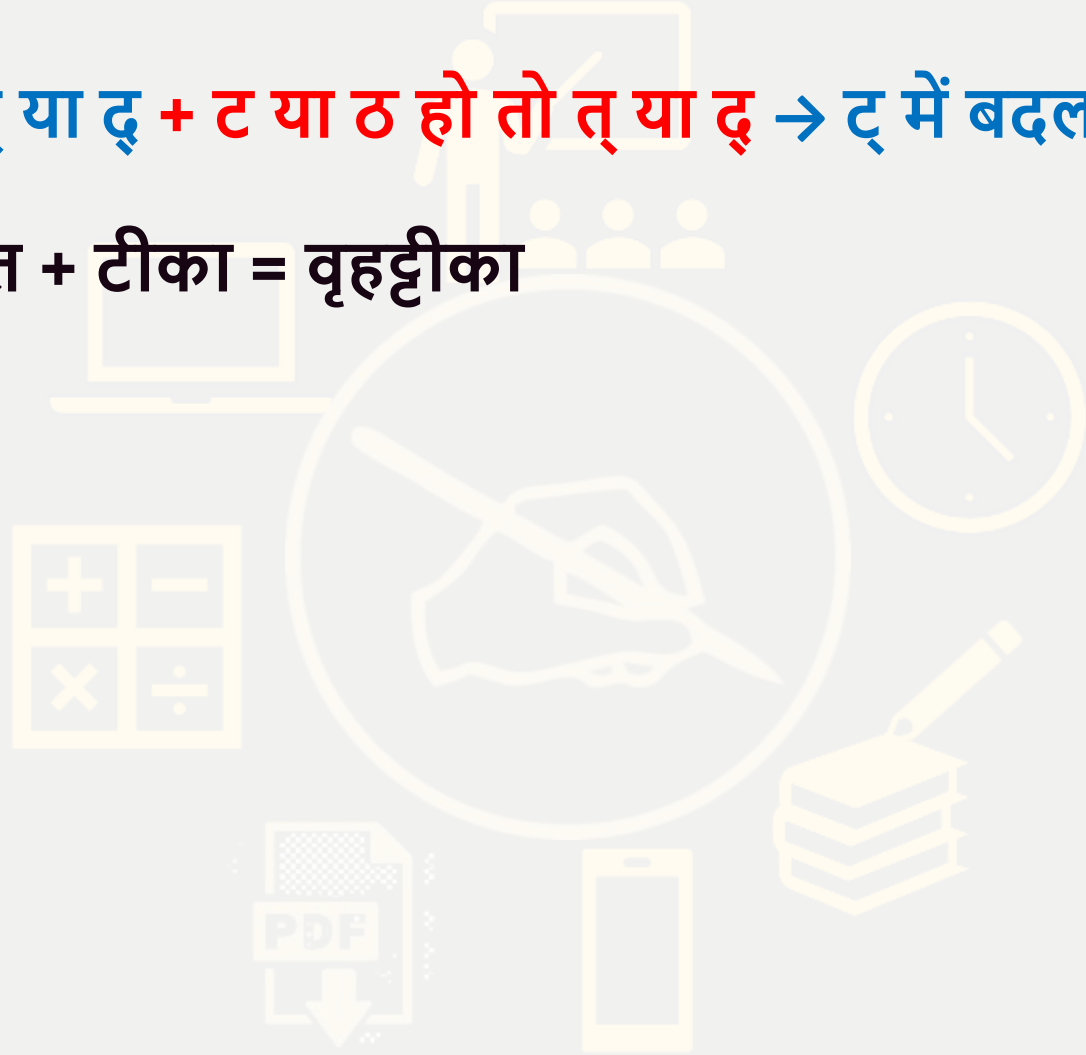
4. जगत् + जननी = जगज्जननी में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) गुण सन्धि
- (b) दीर्घ सन्धि
- (c) वृद्धि सन्धि
- (d) व्यंजन सन्धि



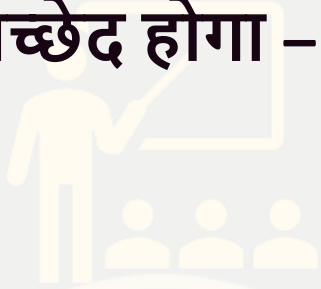
ग. त् या ढ् + ट या ठ हो तो त् या ढ् → ट् में बदलता है -

वृहत + टीका = वृहट्टीका



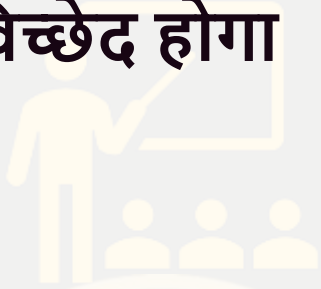
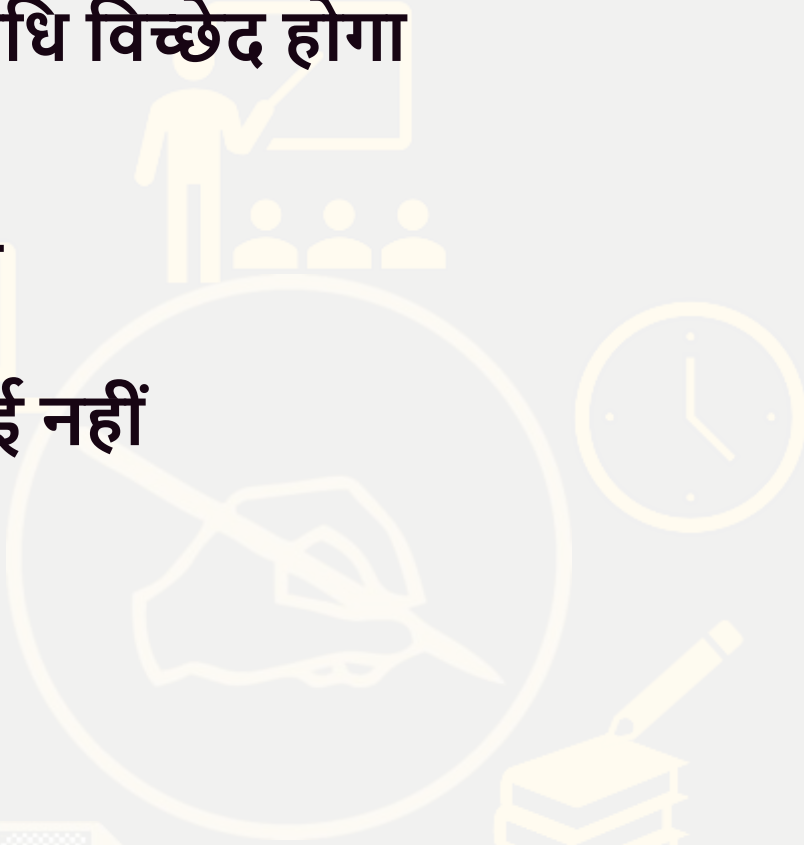
5. तट्टीका का संधि विच्छेद होगा -

- (a) तात + टीका
- (b) तत् + टीका
- (c) तट + टीका
- (d) तत + टीका

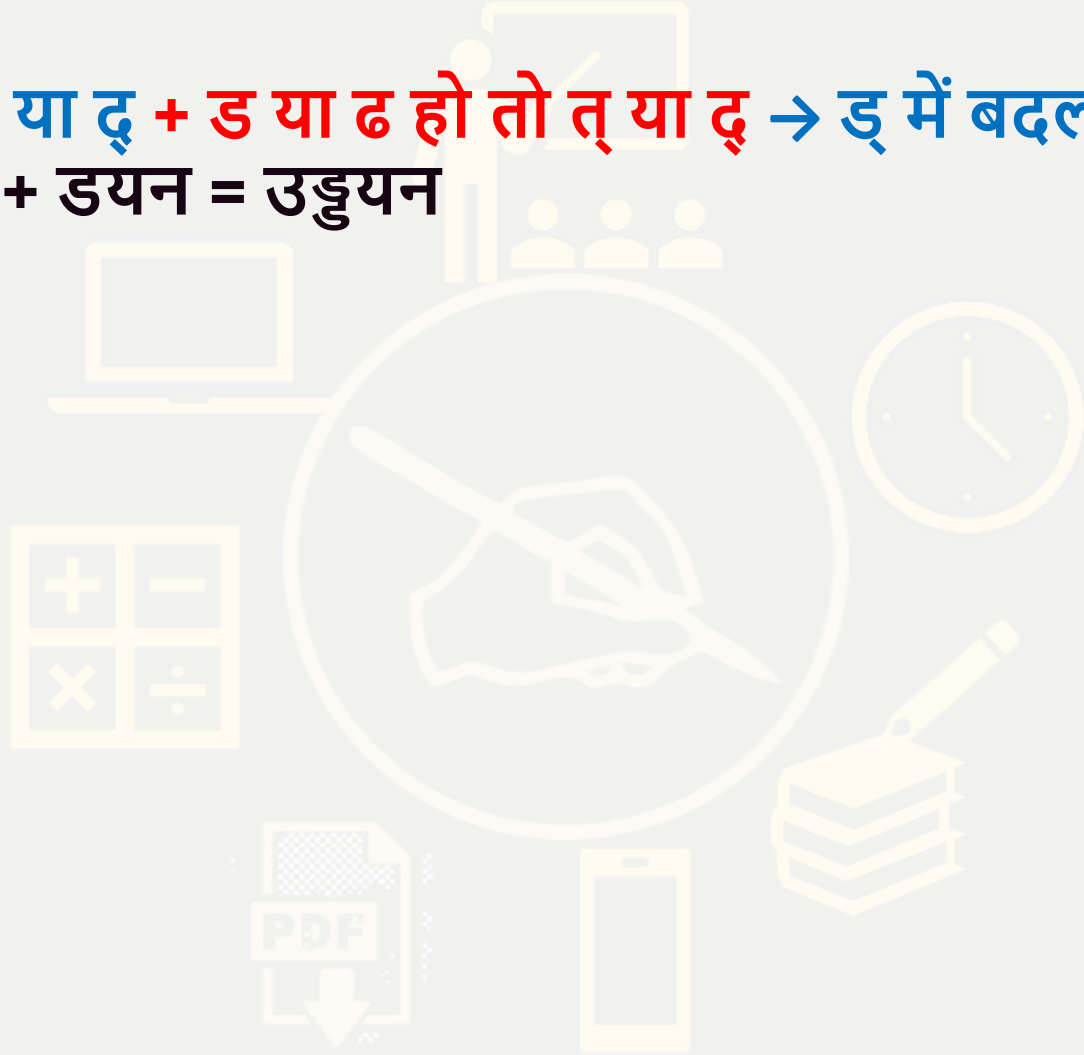


6. उड्डयन का संधि विच्छेद होगा

- (a) उत + डयन
- (b) उत् + डयन
- (c) उत् + डयन
- (d) इनमें से कोई नहीं



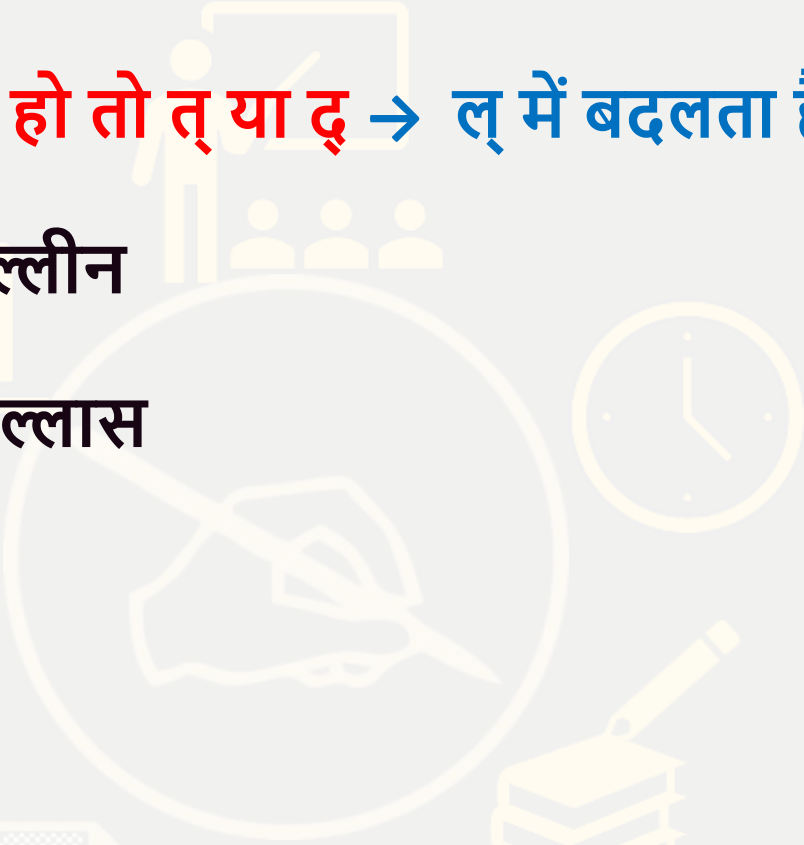
घ. त् या द् + ड या ढ हो तो त् या द् → ड् में बदलता है -
उत् + डयन = उडुयन



ड. त् या द् + ल हो तो त् या द् → ल् में बदलता है -

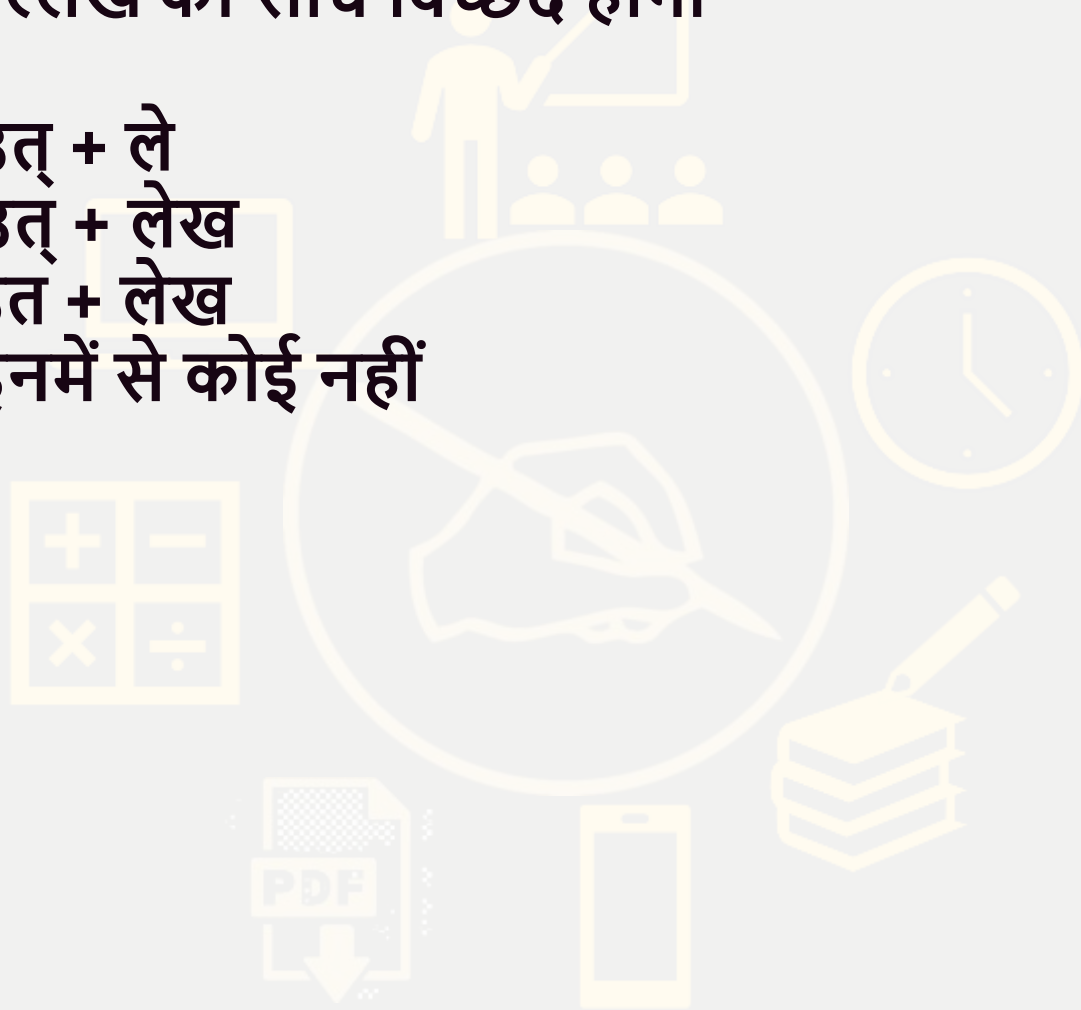
तत् + लीन = तल्लीन

उत् + लास = उल्लास



8 . उल्लेख का संधि विच्छेद होगा

- (a) उत् + ले
- (b) उत् + लेख
- (c) उत + लेख
- (d) इनमें से कोई नहीं



च. त् या द् + श् हो तो त् या द् → च में तथा श् → छ् में बदलता है-

उत् + शिष्ट = उच्छिष्ट

सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र

छ. त् या द् + ह हो तो त् या द् → द् में तथा ह → ध में बदलता है-

उत् + हार = उद्धार

पत् + हति = पद्धति

उत् + हरण = उद्धरण

नियम - 2 त् के संबंध में विशेष नियम:

क. त् या द् + च या छ हो तो त् या द् → च् में बदलता है

सत् + छात्र = सच्छात्र

ख. त् या द् + ज या झ हो तो त् या द् → ज् में बदलता है -

सत् + जन = सज्जन

जगत् + जननी = जगज्जननी

विपत् + जाल = विपज्जाल

उत् + ज्वल = उज्ज्वल

ग. त् या द् + ट या ठ हो तो त् या द् → ट् में बदलता है -

तत् + टीका = तट्टीका

वृहत + टीका = वृहतट्टीका

घ. त् या द् + ड या ढ हो तो त् या द् → ड् में बदलता है -

उत् + डयन = उड्डयन

ङ. त् या द् + ल हो तो त् या द् → ल् में बदलता है -

तत् + लीन = तल्लीन

उत् + लेख = उल्लेख

उत् + लास = उल्लास

च. त् या द् + श् हो तो त् या द् → च् में तथा श् → च् में बदलता है-

उत् + शिष्ट = उच्छिष्ट

सत् + शास्त्र = सच्छास्त्र

छ. त् या द् + ह हो तो त् या द् → द् में तथा ह → ध में बदलता है-

उत् + हार = उद्धार

पत् + हति = पद्धति

उत् + हरण = उद्धरण

नियम-3 –

यदि किसी वर्ग के पहले वर्ण के पश्चात् कोई नासिक्य वर्ण हो तो पहला वर्ण अपने वर्ग के नासिक्य में बदलता है:

वाक् + मय = वाङ्मय

षट् + मास = षण्मास

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

उत् + नायक = उन्नायक

सत् + मति = सम्मति

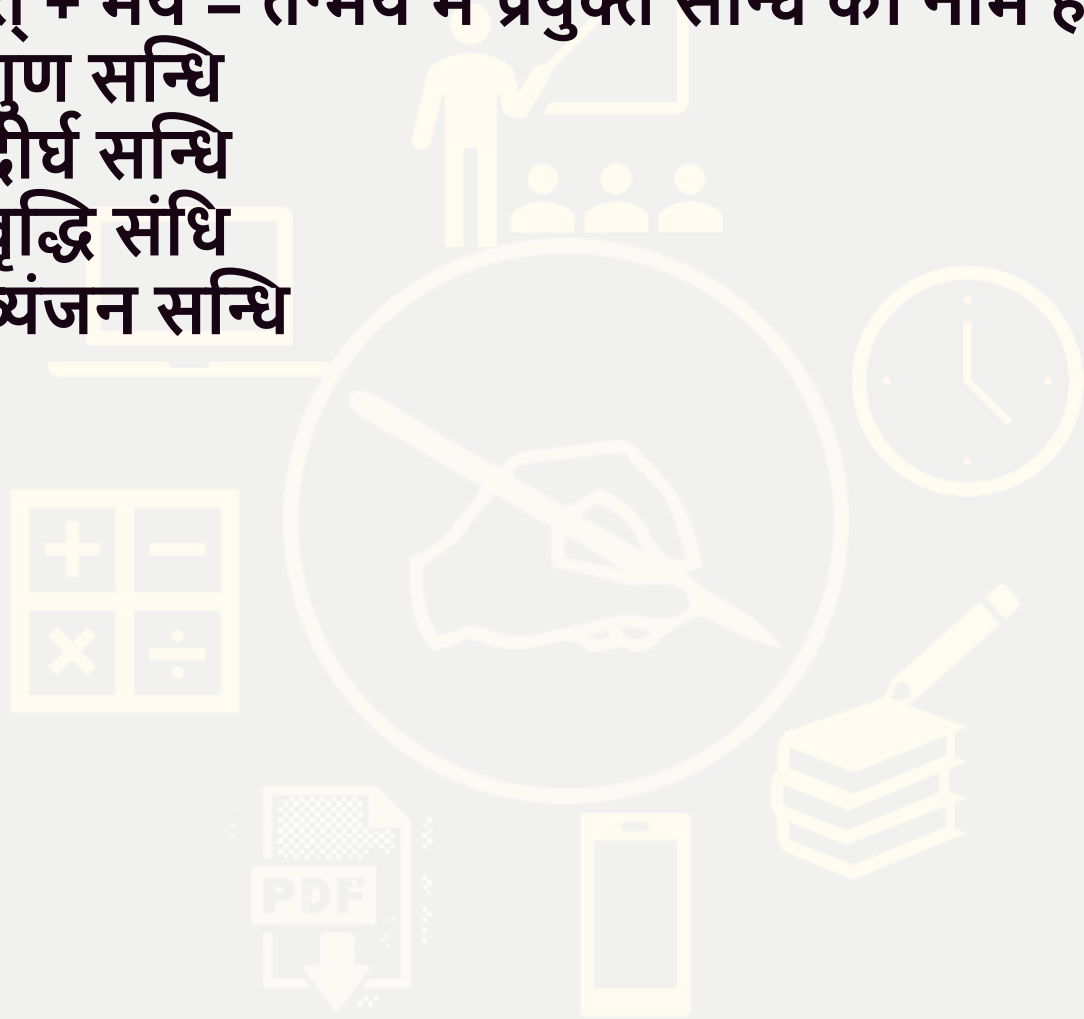
तत् + मय = तन्मय

तत् + नाम = तन्नाम

क वर्ग -	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग -	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग -	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग -	त	थ	द	ध	न
प वर्ग -	प	फ	ब	भ	म

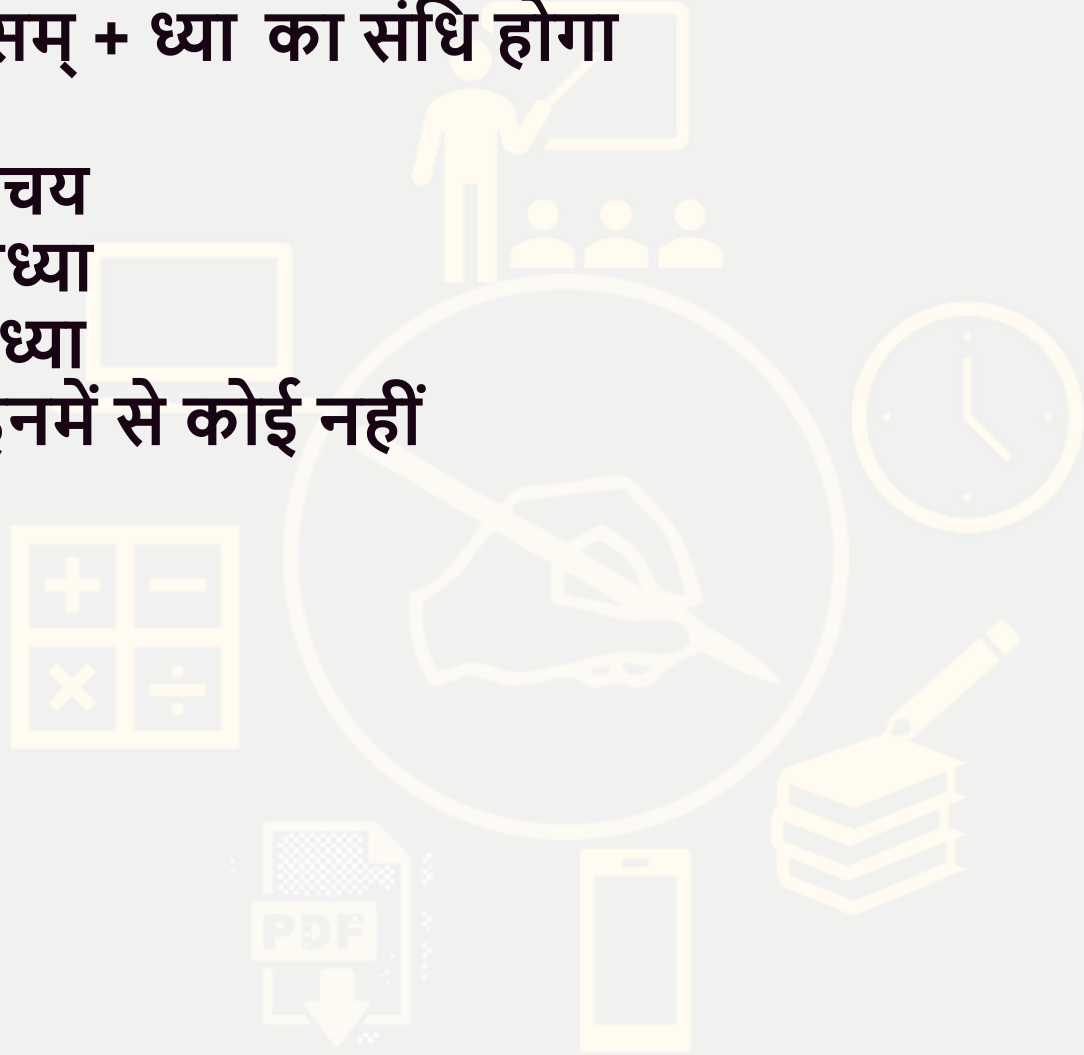
9 .तत् + मय = तन्मय में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) गुण सन्धि
- (b) दीर्घ सन्धि
- (c) वृद्धि सन्धि
- (d) व्यंजन सन्धि



10. सम् + ध्या का संधि होगा

- (a) संचय
- (b) संध्या
- (c) सध्या
- (d) इनमें से कोई नहीं



नियम - 4 म् के संबंध में नियम

क. म् के बाद क से म तक कोई व्यंजन आने पर म् उसी वर्ग का अनुस्वार बन जाता है;

1. सम् + जय = सङ्जय, संचय
2. सम् + चित = सङ्चित, संचित
3. सम् + ध्या = संध्या
4. सम् + पूर्ण = सम्पूर्ण, संपूर्ण
5. सम् + भाषण = सम्भाषण, संभाषण

ख. म् का मेल म से होने पर म् ही रहता है, अनुस्वार नहीं होता

1. सम् + मिलित = सम्मिलित
2. सम् + मान = सम्मान
3. सम् + मति = सम्मति

ग. म् से परे य, र, ल, व, श, ष, स, ह, हो तो म् अनुस्वार में परिवर्तित होता है:

1. सम् + सार = संसार
2. सम् + हार = संहार
3. सम् + शोधन = संशोधन
4. सम् + रक्षक = संरक्षक

नियम - 5

छ्, के संबंध में नियम छ से पूर्व यदि स्वर हो तो छ से पूर्व च् जुड़ जाता है:

1. परि + छेद = परिच्छेद
2. वृक्ष + छाया = वृक्षच्छाया
3. वि + छेद = विच्छेद

नियम - 6

न्, का ण् में परिवर्तन: ऋ, र और ष के बाद 'न' हो और इनके बीच कोई स्वर, कवर्ग, पवर्ग, अनुस्वार या य, और ह हो तो नण में बदलता है।

1. प्र + नाम प्रणाम
2. प्र + मान = प्रमाण
3. परि + मान = परिमाण

नियम - 7 स् के संबंध में नियम:

क. स से पहले अ, आ को छोड़ कर कोई स्वर हो तो स = ष

1. नि + सेध = निषेध
2. अभि + सेक = अभिषेक
3. सु + सुप्ति = सुषुप्ति

ख. यदि से के बाद र, ऋ आए तो स = स

1. अनु + सरण = अनुसरण
2. वि + स्मरण = विस्मरण

3. विसर्ग संधि

विसर्ग (:) का मेल स्वर से या व्यंजन से होने पर जो विकार उत्पन्न होता है वो विसर्ग संधि कहलाती हैं –

नियम- 1. विसर्ग (:) + च, छ हो तो विसर्ग = श्

1. निः + छल = निश्छल
2. निः + चिंत = निश्चिंत
3. दुः + चरित्र = दुश्चरित्र

नियम-2. विसर्ग का ष् में परिवर्तन-विसर्ग (:) + क, ख, ट, ठ, प, फ, हो तो विसर्ग (:) = ष्

1. धनुः + टंकार = धनुष्टंकार
2. निः + ठुर = निष्ठुर
3. निः + कपट = निष्कपट
4. दुः + परिणाम = दुष्परिणाम
5. निः + फल = निष्फल

नियम-3. विसर्ग का स् में परिवर्तन-विसर्ग (:) + त्, थ् या स हो तो विसर्ग (:) → स् में बदलता है।

1. दुः + तर = दुस्तर
2. निः + तार = निस्तार
3. मनः + ताप = मनस्ताप

नियम-4. विसर्ग में परिवर्तन नहीं

विसर्ग से पूर्व अ तथा बाद में क या प हो तो विसर्ग में कोई परिवर्तन नहीं होता।

अधः+ पतन = अधःपतन

प्रातः + काल = प्रातःकाल

अंतः + करण = अंतःकरण

पयः + पान = पयःपान

नियम-5. विसर्ग का 'ओ' में परिवर्तन -

विसर्ग से पूर्व यदि अ हो तथा बाद में किसी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ वर्ण या य, र, ल, व, ह हो तो विसर्ग (:) ओ में बदलता है।

क वर्ग -	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग -	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग -	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग -	त	थ	द	ध	न
प वर्ग -	प	फ	ब	भ	म

तपः + बल = तपोबल

यशः + दा = यशोदा

मनः + योग = मनोयोग

यशः + गान = यशोगान

तमः + गुण = तमोगुण

वयः + वृद्ध = वयोवृद्ध

मनः + रथ = मनोरथ

अधः + लिखित = अधोलिखित

नियम-6. विसर्ग र् का में परिवर्तन

विसर्ग से पूर्व अ आ से भिन्न स्वर तथा बाद में कोई स्वर, किसी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवाँ वर्ण या य, र, ल, व, ह हो तो विसर्ग (:) र में बदलता है।

क वर्ग -	क	ख	ग	घ	ङ
च वर्ग -	च	छ	ज	झ	ञ
ट वर्ग -	ट	ठ	ड	ढ	ण
त वर्ग -	त	थ	द	ध	न
प वर्ग -	प	फ	ब	भ	म

निः + धन = निर्धन

निः + अंतर = निरंतर

निः + आवरण = निरावरण

निः + मल = निर्मल

नियम-7. विसर्ग का लोप व पूर्व स्वर का दीर्घीकरण -

क. विसर्ग के पश्चात् यदि र हो तो उसका लोप होकर स्वर दीर्घ हो जाता है

निः + रव = नीरव

निः + रस = नीरस

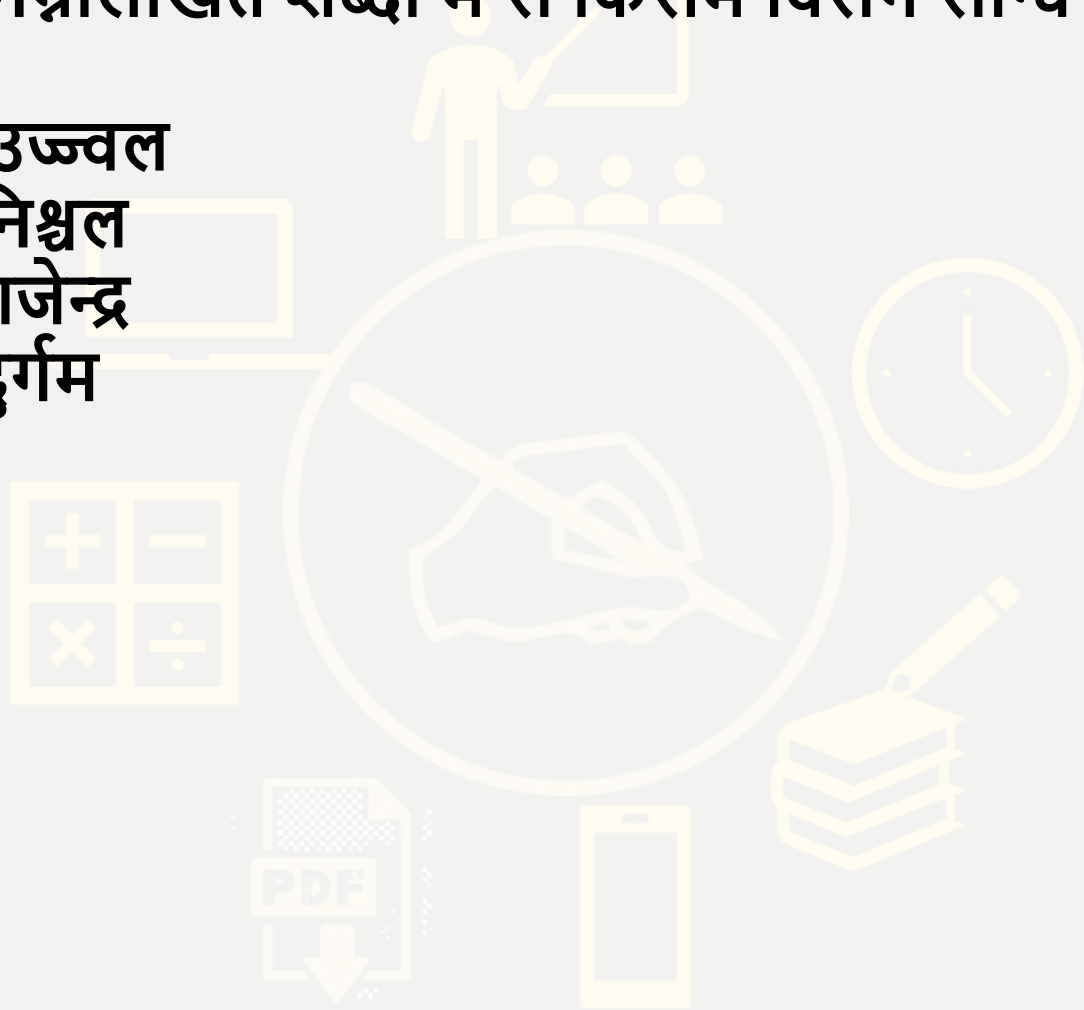
निः + रोग = नीरोग

ख. विसर्ग से पहले अ तथा बाद में भिन्न स्वर हो तो विसर्ग का लोप हो जाता है।

अतः + एव = अतएव

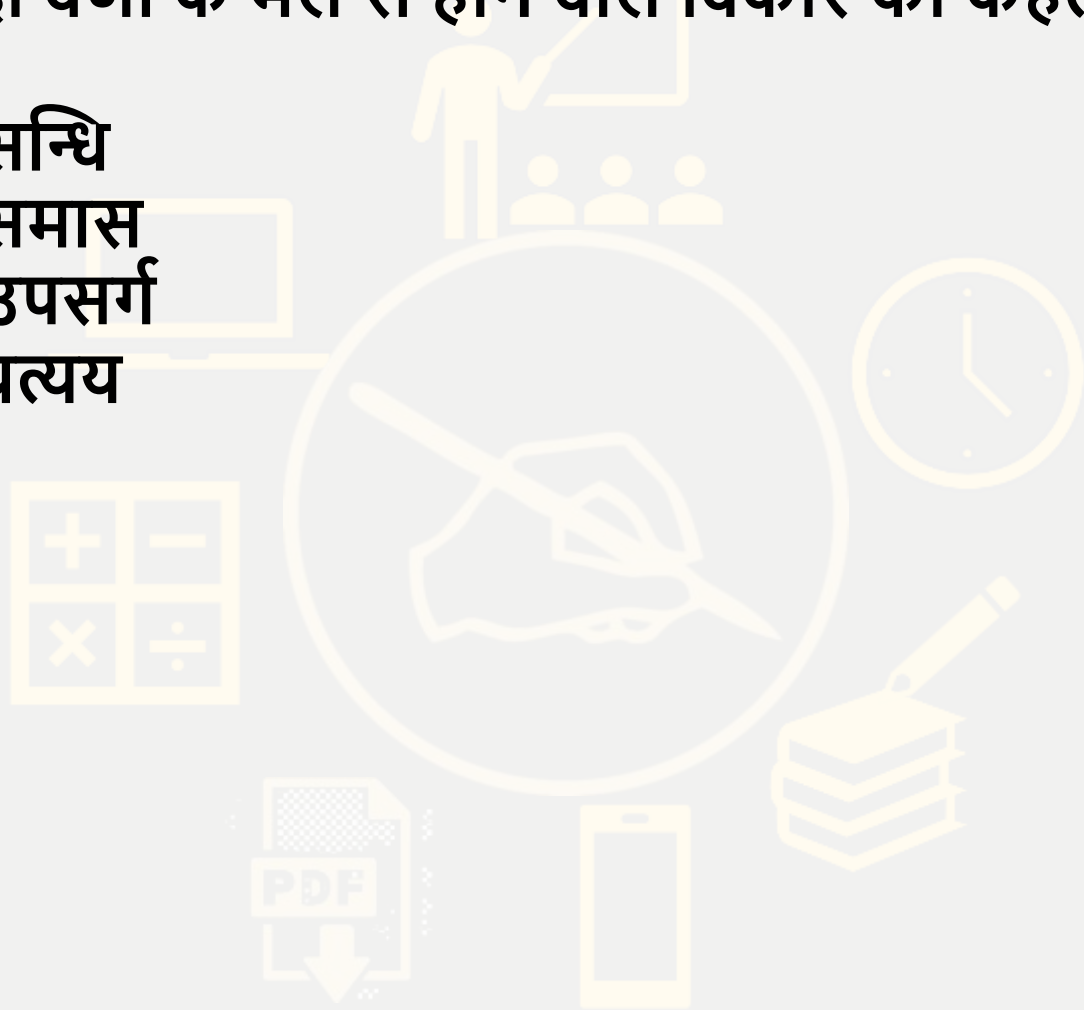
11. निम्नलिखित शब्दों में से किसमें विसर्ग सन्धि है?

- (a) उज्ज्वल
- (b) निश्चल
- (c) राजेन्द्र
- (d) दुर्गम



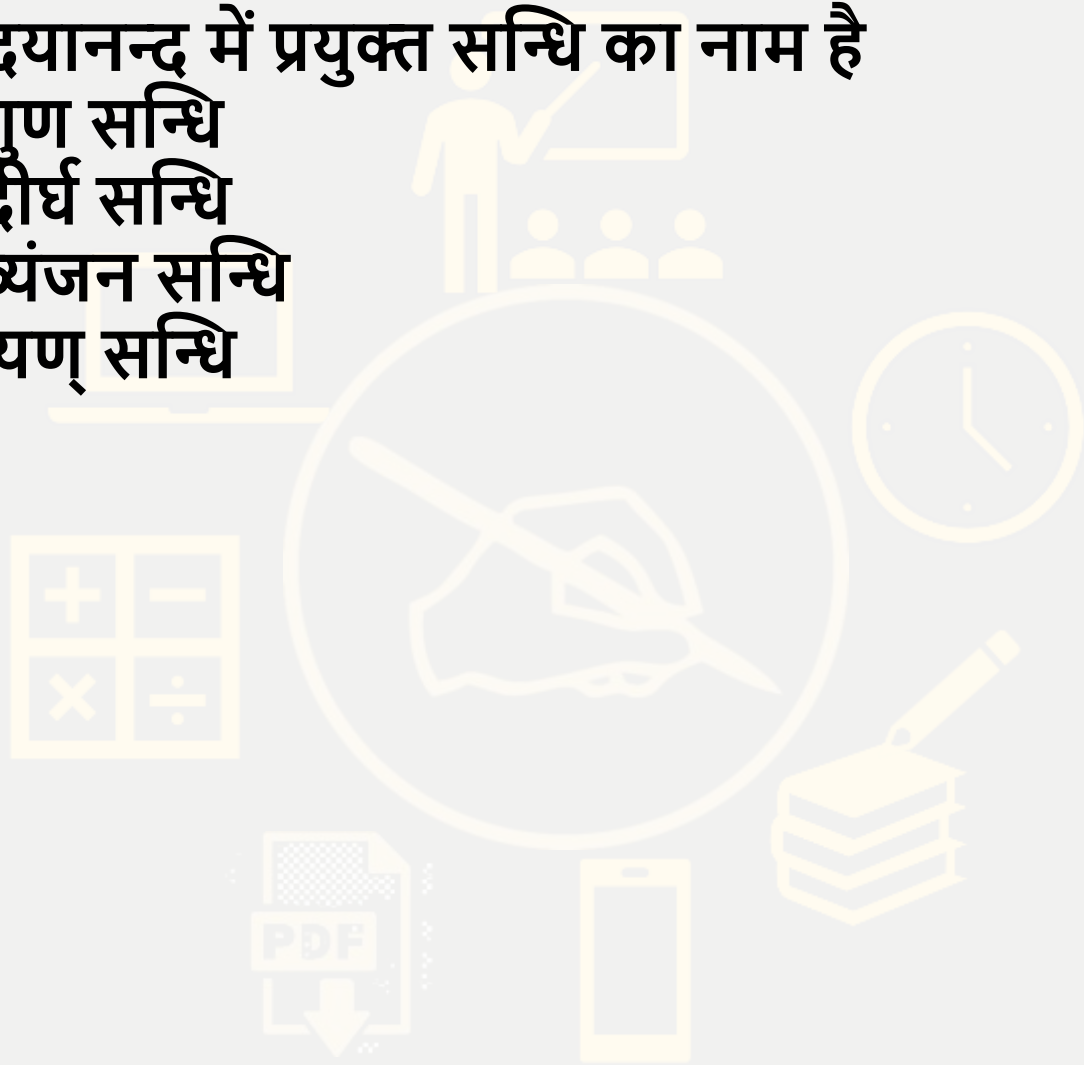
12. दो वर्णों के मेल से होने वाले विकार को कहते हैं

- (a) सन्धि
- (b) समास
- (c) उपसर्ग
- (d) प्रत्यय



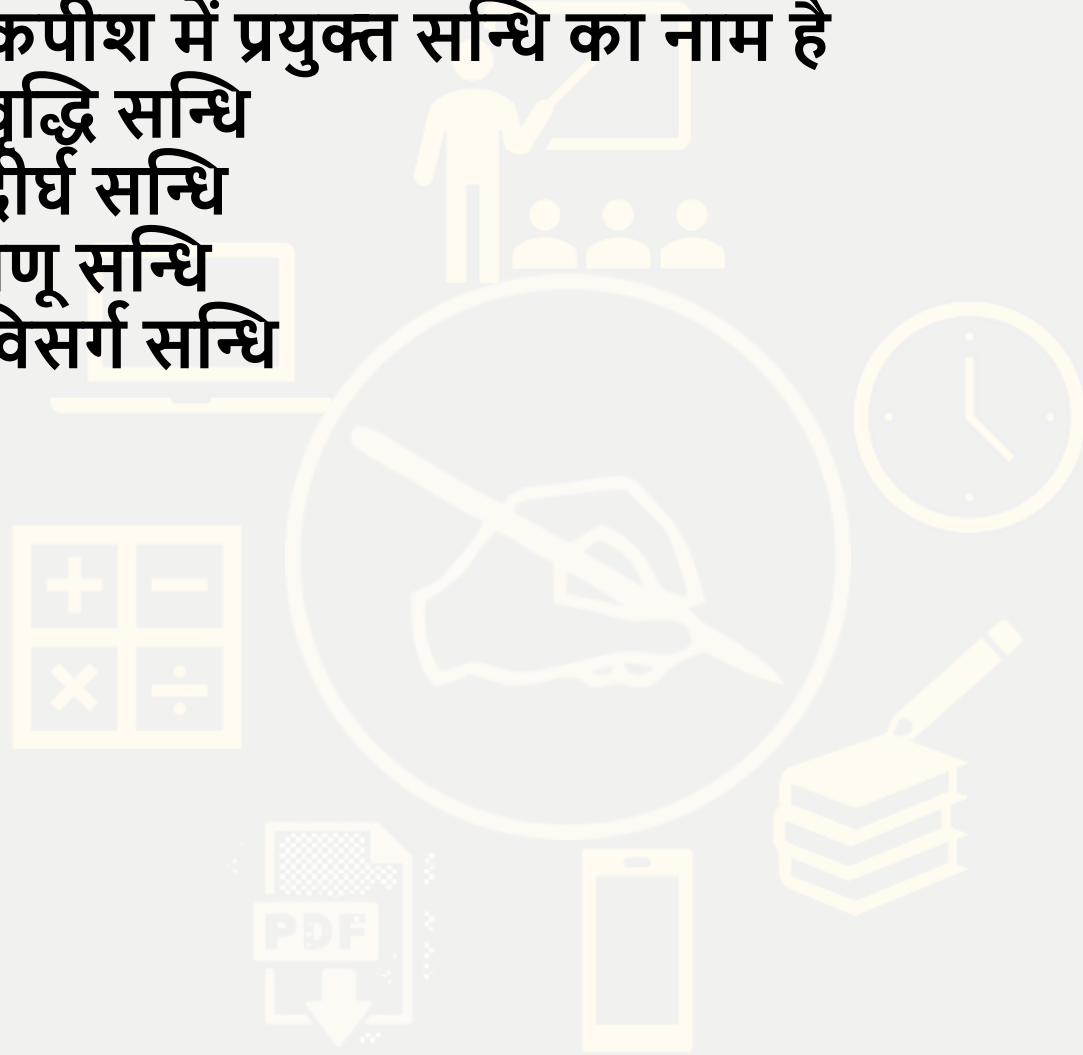
13. दयानन्द में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) गुण सन्धि
- (b) दीर्घ सन्धि
- (c) व्यंजन सन्धि
- (d) यण् सन्धि



14. कपीश में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) वृद्धि सन्धि
- (b) दीर्घ सन्धि
- (c) यणू सन्धि
- (d) विसर्ग सन्धि



15. सदैव में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) व्यंजन सन्धि
- (b) स्वर सन्धि
- (c) विसर्ग सन्धि
- (d) इनमें से कोई नहीं



16. नीरोग में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) स्वर सन्धि
- (b) व्यंजन सन्धि
- (c) विसर्ग सन्धि
- (d) इनमें से कोई नहीं



17. निर्जन में प्रयुक्त सन्धि का नाम है

- (a) स्वर सन्धि
- (b) व्यंजन सन्धि
- (c) विसर्ग सन्धि
- (d) इनमें से कोई नहीं



18. स्वर सन्धि के कितने भेद हैं?

- (a) 3
- (b) 4
- (c) 7
- (d) 5



धन्यवाद

